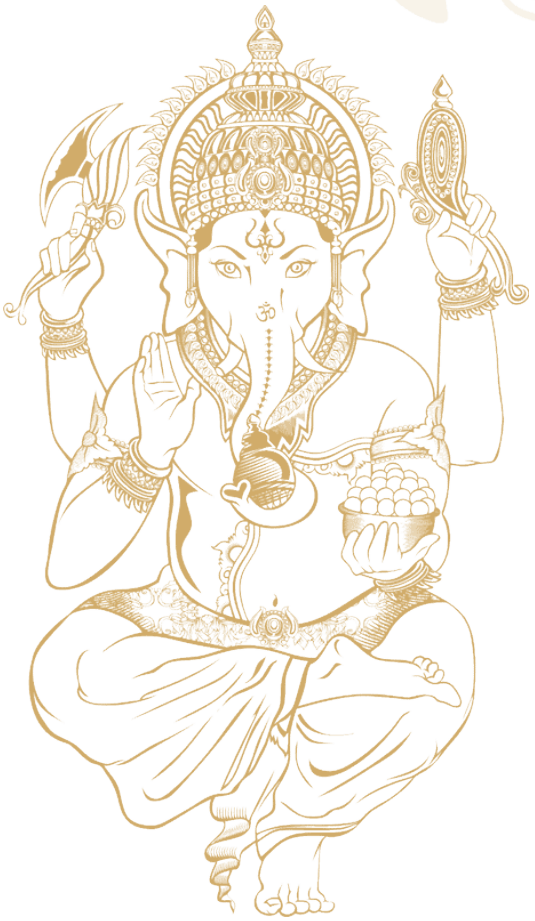

15 May 1967

06:30 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 120787401

**तिथि** 15/05/1967 **समय** 06:30:00 **वार** सोमवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:23:53
**अक्षांश** 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

### पंचांग

| | |
|---|---|
| साम्पातिक काल | 21:37:11 घं |
| वेलान्तर | 00:03:43 घं |
| सूर्योदय | 05:31:04 घं |
| सूर्यास्त | 19:04:16 घं |
| चैत्रादि संवत | 2024 |
| शक संवत | 1889 |
| मास | वैशाख |
| पक्ष | शुक्ल |
| तिथि | 6 |
| नक्षत्र | पुनर्वसु |
| योग | गण्ड |
| करण | कौलव |

### अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| गण | देव |
| योनि | मार्जार |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | मेष |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | ही-हीरा |
| पाया(रा.-न.) | ताम्र-रजत |
| होरा | चंद्र |
| चौघड़िया | अमृत |

### विंशोत्तरी

**गुरु 0वर्ष 6मा 28दि**
**शुक्र**
**12/12/2010**
**12/12/2030**

| | |
|---|---|
| शुक्र | 12/04/2014 |
| सूर्य | 12/04/2015 |
| चन्द्र | 11/12/2016 |
| मंगल | 10/02/2018 |
| राहु | 10/02/2021 |
| गुरु | 12/10/2023 |
| शनि | 12/12/2026 |
| बुध | 11/10/2029 |
| केतु | 12/12/2030 |

### योगिनी

**पिंगला 0वर्ष 0मा 26दि**
**सिद्धा**
**10/06/2021**
**09/06/2028**

| | |
|---|---|
| सिद्धा | 20/10/2022 |
| संकटा | 10/05/2024 |
| मंगला | 20/07/2024 |
| पिंगला | 09/12/2024 |
| धान्या | 10/07/2025 |
| भ्रामरी | 20/04/2026 |
| भद्रिका | 10/04/2027 |
| उल्का | 09/06/2028 |

| ग्रह | व | अ | अंश | राशि | नक्षत्र | पद | स्वामी | अं. | स्थिति | षट्बल | चर | स्थिर | ग्रह तारा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | 15:12:35 | वृष | रोहिणी | 2 | चंद्र | गुरु | --- | 0:00 | | | |
| सूर्य | | | 00:07:46 | वृष | कृतिका | 2 | सूर्य | राहु | शत्रु राशि | 1.49 | कलत्र | पितृ | साधक |
| चंद्र | | | 02:51:06 | कर्क | पुनर्वसु | 4 | गुरु | राहु | स्वराशि | 1.51 | ज्ञाति | मातृ | जन्म |
| मंगल | व | | 22:26:26 | कन्या | हस्त | 4 | चंद्र | शुक्र | शत्रु राशि | 1.12 | आत्मा | भ्रातृ | वध |
| बुध | | अ | 04:12:29 | वृष | कृतिका | 3 | सूर्य | शनि | मित्र राशि | 1.21 | पुत्र | ज्ञाति | साधक |
| गुरु | | | 05:20:04 | कर्क | पुष्य | 1 | शनि | शनि | उच्च राशि | 1.07 | मातृ | धन | सम्पत |
| शुक्र | | | 12:00:26 | मिथु | आर्द्रा | 2 | राहु | शनि | मित्र राशि | 1.26 | भ्रातृ | कलत्र | अतिमित्र |
| शनि | | | 15:08:43 | मीन | उ०भाद्रपद | 4 | शनि | गुरु | सम राशि | 0.79 | अमात्य | आयु | सम्पत |
| राहु | व | | 13:25:05 | मेष | भरणी | 1 | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि | | --- | ज्ञान | प्रत्यारि |
| केतु | व | | 13:25:05 | तुला | स्वाति | 3 | राहु | बुध | सम राशि | | --- | मोक्ष | अतिमित्र |

## लग्न-चलित

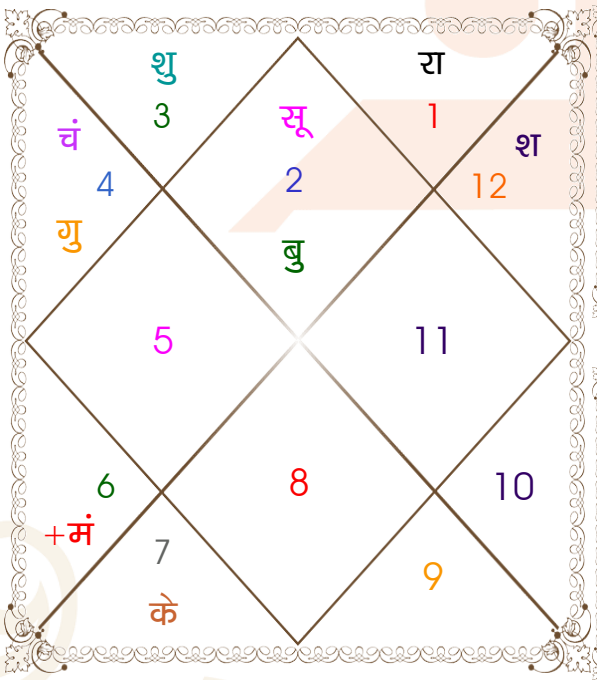


## चन्द्र कुंडली

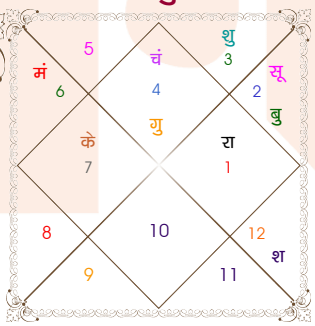


## नवमांश कुंडली

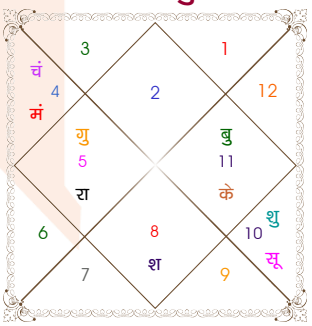


## सर्वाष्टकवर्ग

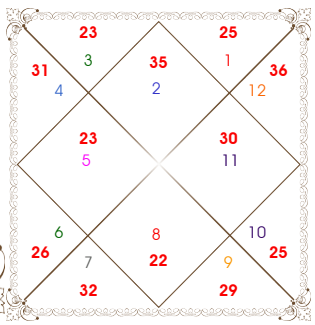


## दशमांश कुंडली

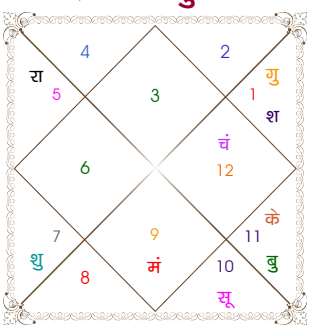



**No**
No
917011022815
harish.rattan05@gmail.com

# अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

# अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी यदा कदा आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्र एवं संबंधियों से आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि भी मध्यम रहेगी। इस समय स्त्री से आपके संबंधों में यदा कदा तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य सुख में मधुरता कम रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आप विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। शत्रु या विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु उनका सामना आप दृढ़ता से करेंगे तथा उनको पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की भी इस वर्ष में न्यूनता रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष परिश्रम एवं संघर्षपूर्ण रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम के द्वारा ही आप को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी पदोन्नति में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा अनावश्यक विलम्ब भी होगा। इस समय आपके अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे फलतः उनसे विशेष सहयोग एवं लाभ नही मिलेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें। इस समय यात्राओं से भी विशेष लाभ नहीं होगा तथा आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी। अतः परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो को करने में तत्पर रहें।

# अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।

# अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह पूर्वक सम्पन्न होंगे एवं उनमें आपको समय समय पर वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मित्र एवं संबधियों से आपके इस समय मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आप भी उनको समयानुसार अपने ओर से लाभान्वित करते रहेंगे। इस वर्ष में आपका भाग्योदय होगा तथा किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी जिससे आपके जीवन में एक नवीन अध्याय प्रारंभ होगा तथा सर्वत्र उन्नति एवं सफलता की संभावनाएं बनेंगी। साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा विलम्बित शुभ कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित लाभ की प्राप्ति होगी। इस समय आप क्रय विक्रय के कार्यो से वांछित लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी तथा समाजिक प्रतिष्ठा तथा यश की भी अभिवृद्धि होगी। इस समय महत्वपूर्ण सरकारी या राजनैतिक लोगों से आपके संबध बने रहेंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग भी प्राप्त होगा। साथ ही आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा तथा उन्नति एवं सफलता के मार्ग पर आप अग्रसर रहेंगे।

# प्रथम मास

## 15/05/2026 09:34:48 से 15/06/2026 16:07:39 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मिथुन | पुनर्वसु | 27:50:17 |
| सूर्य | | वृष | कृतिका | 00:07:46 |
| चन्द्र | | मेष | अश्विनी | 06:44:09 |
| मंगल | | मेष | अश्विनी | 02:56:00 |
| बुध | | वृष | कृतिका | 00:49:23 |
| गुरु | | मिथुन | पुनर्वसु | 26:51:05 |
| शुक्र | | मिथुन | मृगशिरा | 01:08:02 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 16:26:38 |
| राहु | व | कुम्भ | शतभिषा | 11:23:10 |
| केतु | व | सिंह | मघा | 11:23:10 |
| मुंथा | | मेष | भरणी | 15:12:35 |

**मासाधिपति** : मंगल

**मासाधिपति**

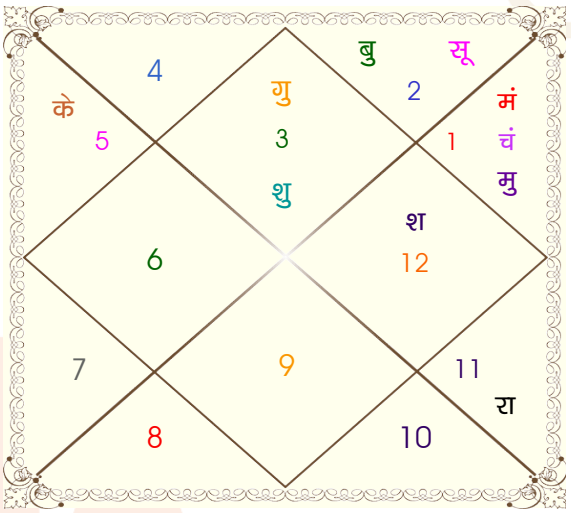


इस मास में आपको शुभ फलों की अधिक मात्रा में प्राप्ति होगी। स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से धन लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा हृदय से भी पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी उन्नति करेंगे। इस समय मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वांछित पदार्थों का आप उपभोग करके प्रसन्न रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप शुभ फल ही प्राप्त करेंगे एवं सम्बन्धियों में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे। इस प्रकार यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदा कदा अशुभ फल भी होंगे।जिसके प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं एवं किसी कठोर कार्य को करने से सम्मान में अल्पता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अग्नि के द्वारा धन हानि की भी संभावना रहेगी।अतः बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

# द्वितीय मास

## 15/06/2026 16:07:39 से 17/07/2026 02:54:17 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | तुला | स्वाति | 19:35:06 |
| सूर्य | | मिथुन | मृगशिरा | 00:07:46 |
| चन्द्र | | मिथुन | मृगशिरा | 04:44:57 |
| मंगल | | मेष | भरणी | 26:08:21 |
| बुध | | मिथुन | पुनर्वसु | 24:37:12 |
| गुरु | | कर्क | पुनर्वसु | 02:40:37 |
| शुक्र | | कर्क | पुष्य | 08:05:29 |
| शनि | | मीन | रेवती | 19:06:24 |
| राहु | व | कुम्भ | शतभिषा | 08:00:02 |
| केतु | व | सिंह | मघा | 08:00:02 |
| मुंथा | | मेष | भरणी | 17:42:35 |

**मासाधिपति** : मंगल

**मासाधिपति**

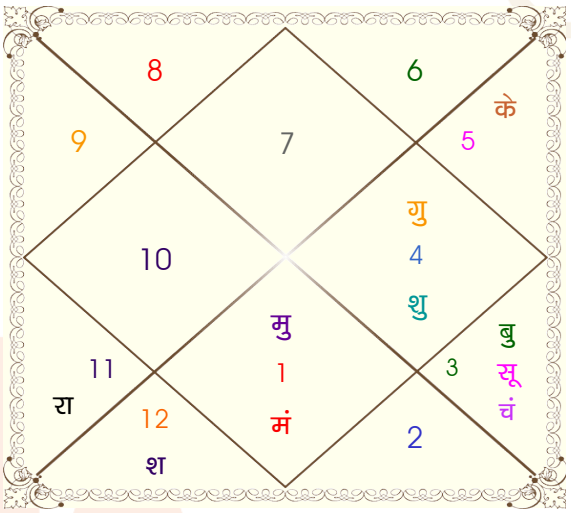


यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।


**No**
No
917011022815
harish.rattan05@gmail.com

# तृतीय मास
## 17/07/2026 02:54:17 से 17/08/2026 11:12:12 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | वृष | रोहिणी | 23:10:58 |
| सूर्य | | कर्क | पुनर्वसु | 00:07:46 |
| चन्द्र | | सिंह | मघा | 04:10:22 |
| मंगल | | वृष | रोहिणी | 18:29:40 |
| बुध | व | मिथुन | पुनर्वसु | 24:09:53 |
| गुरु | | कर्क | पुष्य | 09:23:24 |
| शुक्र | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 13:41:19 |
| शनि | | मीन | रेवती | 20:26:08 |
| राहु | व | कुम्भ | धनिष्ठा | 05:58:22 |
| केतु | व | सिंह | मघा | 05:58:22 |
| मुंथा | | मेष | भरणी | 20:12:35 |

**मासाधिपति** : सूर्य

**मासाधिपति**

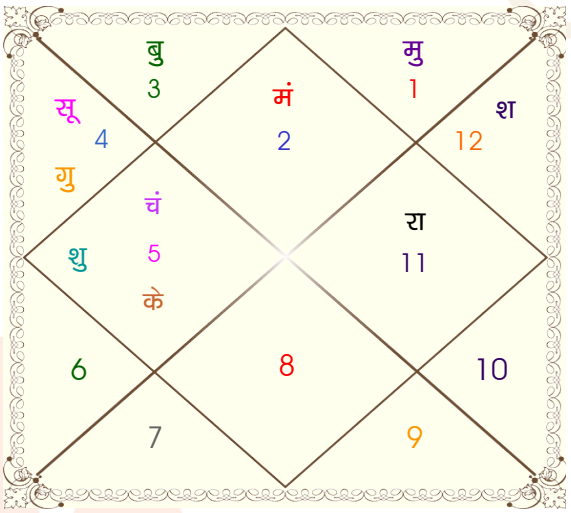


यह मास आपके लए मध्यम रहेगा अर्थात शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे अतः आप का व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति भी करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी पूर्ण रूप से ठीक नहीं रहेगा इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पराक्रम एवं परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। मित्रों एवं सम्बन्धियों के मध्य आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा उनसे उचित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में भी इस मास में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा शत्रुओं से नित्य भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त आप जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। साथ ही मन से भी अशान्त रहेंगे एवं बैचेनी की अनुभूति करेंगे।

इसके साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं उससे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूपेण धन लाभ तथा सुख प्राप्त करेंगे। साथ ही आप समाज में कीर्ति भी प्राप्त कर सकेंगे।


**No**
No
917011022815
harish.rattan05@gmail.com

# चतुर्थ मास
## 17/08/2026 11:12:12 से 17/09/2026 11:03:39 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | तुला | स्वाति | 09:19:14 |
| सूर्य | | सिंह | मघा | 00:07:46 |
| चन्द्र | | कन्या | चित्रा | 27:16:37 |
| मंगल | | मिथुन | आर्द्रा | 09:38:43 |
| बुध | | कर्क | आश्लेषा | 19:19:18 |
| गुरु | | कर्क | पुष्य | 16:18:15 |
| शुक्र | | कन्या | हस्त | 15:59:08 |
| शनि | व | मीन | रेवती | 20:07:56 |
| राहु | | कुम्भ | धनिष्ठा | 05:35:23 |
| केतु | | सिंह | मघा | 05:35:23 |
| मुंथा | | मेष | भरणी | 22:42:35 |

**मासाधिपति :** सूर्य

**मासाधिपति**

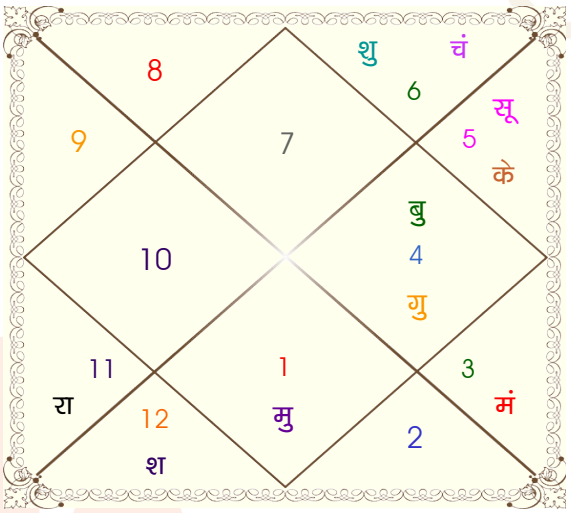


यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे ।साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।


**No**
No
917011022815
harish.rattan05@gmail.com

# पंचम् मास
## 17/09/2026 11:03:39 से 17/10/2026 22:59:08 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | वृश्चिक | अनुराधा | 03:34:22 |
| सूर्य | | कन्या | उ०फाल्गुनी | 00:07:46 |
| चन्द्र | | वृश्चिक | अनुराधा | 12:14:56 |
| मंगल | | मिथुन | पुनर्वसु | 29:15:11 |
| बुध | | कन्या | हस्त | 16:27:15 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 22:46:18 |
| शुक्र | | तुला | स्वाति | 09:48:59 |
| शनि | व | मीन | रेवती | 18:23:32 |
| राहु | व | कुम्भ | धनिष्ठा | 05:17:54 |
| केतु | व | सिंह | मघा | 05:17:54 |
| मुंथा | | मेष | भरणी | 25:12:35 |

**मासाधिपति** : बुध

**मासाधिपति**

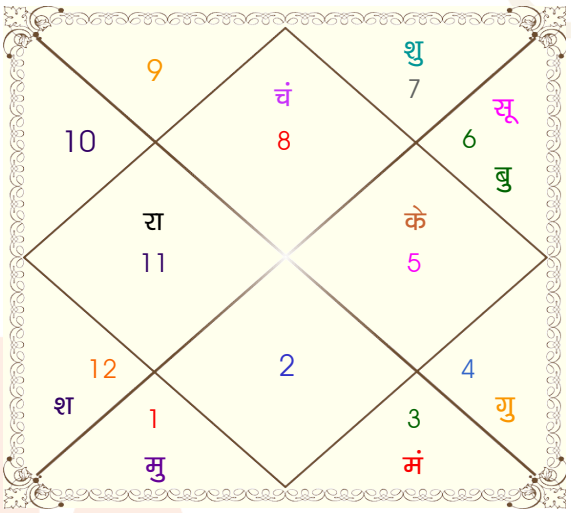


यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

# षष्ठ मास

## 17/10/2026 22:59:08 से 16/11/2026 22:47:46 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मिथुन | पुनर्वसु | 23:01:01 |
| सूर्य | | तुला | चित्रा | 00:07:46 |
| चन्द्र | | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 19:50:27 |
| मंगल | | कर्क | आश्लेषा | 16:53:55 |
| बुध | | तुला | विशाखा | 24:19:42 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 28:08:04 |
| शुक्र | व | तुला | स्वाति | 10:15:19 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 16:02:43 |
| राहु | व | कुम्भ | धनिष्ठा | 03:48:33 |
| केतु | व | सिंह | मघा | 03:48:33 |
| मुंथा | | मेष | कृतिका | 27:42:35 |

**मासाधिपति : शुक्र**

**मासाधिपति**

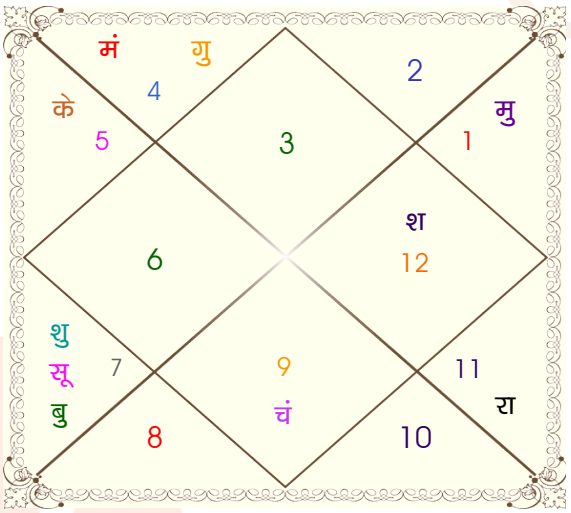


यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगे। साथ ही सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप रुचिशील रहेंगे तथा इसको प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे संतति पक्ष से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक जनों के मध्य आप इस समय मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा आपके विलम्बित कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप धर्मानुपालन में भी प्रवृत रहेंगे एवं समाज में यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

# सप्तम् मास
## 16/11/2026 22:47:46 से 16/12/2026 13:27:51 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कर्क | पुष्य | 15:49:43 |
| सूर्य | | वृश्चिक | विशाखा | 00:07:46 |
| चन्द्र | | मकर | श्रवण | 21:35:16 |
| मंगल | | सिंह | मघा | 01:51:23 |
| बुध | | तुला | स्वाति | 11:36:54 |
| गुरु | | सिंह | मघा | 01:41:29 |
| शुक्र | | कन्या | चित्रा | 28:46:25 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 14:13:06 |
| राहु | व | कुम्भ | धनिष्ठा | 00:54:34 |
| केतु | व | सिंह | मघा | 00:54:34 |
| मुंथा | | वृष | कृतिका | 00:12:35 |

**मासाधिपति : चन्द्र**

**मासाधिपति**

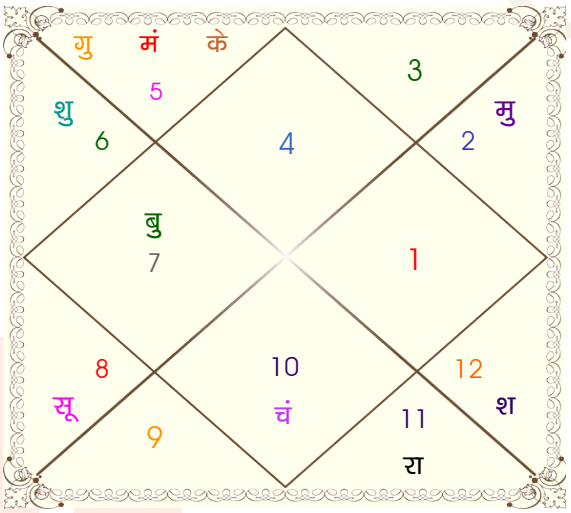


इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे ।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।


**No**
No
917011022815
harish.rattan05@gmail.com

# अष्टम् मास
## 16/12/2026 13:27:51 से 15/01/2027 00:12:59 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मीन | रेवती | 22:17:18 |
| सूर्य | | धनु | मूल | 00:07:46 |
| चन्द्र | | कुम्भ | शतभिषा | 19:42:09 |
| मंगल | | सिंह | मघा | 12:36:38 |
| बुध | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 21:03:04 |
| गुरु | व | सिंह | मघा | 02:46:14 |
| शुक्र | | तुला | स्वाति | 14:42:59 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 13:43:15 |
| राहु | | मकर | धनिष्ठा | 27:59:43 |
| केतु | | कर्क | आश्लेषा | 27:59:43 |
| मुंथा | | वृष | कृतिका | 02:42:35 |

**मासाधिपति : शुक्र**

**मासाधिपति**

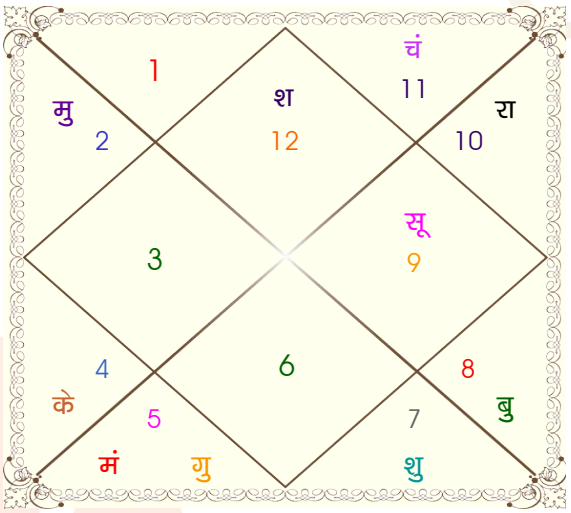


यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

# नवम् मास
## 15/01/2027 00:12:59 से 13/02/2027 13:13:01 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कन्या | चित्रा | 25:03:51 |
| सूर्य | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 00:07:46 |
| चन्द्र | | मीन | रेवती | 17:09:04 |
| मंगल | व | सिंह | पू०फाल्गुनी | 16:04:31 |
| बुध | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 08:19:29 |
| गुरु | व | सिंह | मघा | 01:05:48 |
| शुक्र | | वृश्चिक | अनुराधा | 13:37:45 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 14:46:30 |
| राहु | | मकर | धनिष्ठा | 26:32:17 |
| केतु | | कर्क | आश्लेषा | 26:32:17 |
| मुंथा | | वृष | कृतिका | 05:12:35 |

**मासाधिपति** : बुध

**मासाधिपति**

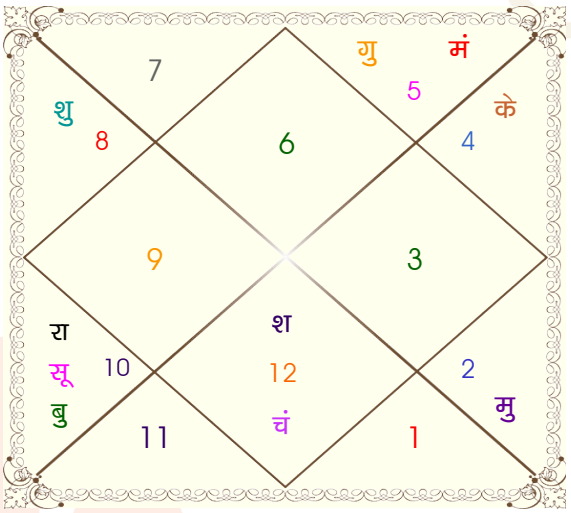


यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

# दशम् मास
## 13/02/2027 13:13:01 से 15/03/2027 10:06:40 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | वृष | मृगशिरा | 26:10:15 |
| सूर्य | | कुम्भ | धनिष्ठा | 00:07:46 |
| चन्द्र | | मेष | भरणी | 17:24:00 |
| मंगल | व | सिंह | मघा | 09:01:14 |
| बुध | व | कुम्भ | शतभिषा | 10:35:53 |
| गुरु | व | कर्क | आश्लेषा | 27:29:44 |
| शुक्र | | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 16:59:39 |
| शनि | | मीन | रेवती | 17:10:10 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 26:16:36 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 26:16:36 |
| मुंथा | | वृष | कृतिका | 07:42:35 |

**मासाधिपति :** शनि

**मासाधिपति**

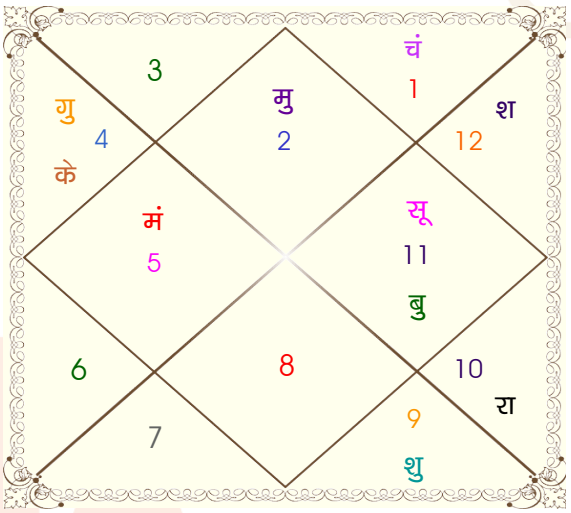


यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभफल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।साथ ही इस मास आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। इस समय आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति अत्यंत ही सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे एवं कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी काफी समय से आप प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करेंगे। इस समय सांसारिक कार्यो में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं संतुष्ट रहेंगे। अतः आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ आप समय समय पर अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी आप न्यूनाधिक क्षति प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

# एकादश मास

## 15/03/2027 10:06:40 से 14/04/2027 18:38:13 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | वृष | कृतिका | 08:42:05 |
| सूर्य | | मीन | पू०भाद्रपद | 00:07:46 |
| चन्द्र | | वृष | मृगशिरा | 23:43:35 |
| मंगल | व | कर्क | आश्लेषा | 28:36:48 |
| बुध | | कुम्भ | धनिष्ठा | 02:36:26 |
| गुरु | व | कर्क | आश्लेषा | 24:02:47 |
| शुक्र | | मकर | श्रवण | 22:21:52 |
| शनि | | मीन | रेवती | 20:29:55 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 25:46:04 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 25:46:04 |
| मुंथा | | वृष | रोहिणी | 10:12:35 |

**मासाधिपति : गुरु**

**मासाधिपति**

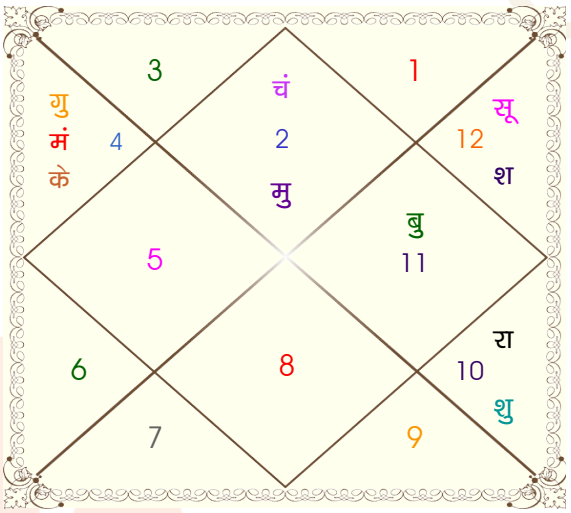


यह मास आपके लिए सामान्य रूप से ही शुभ फलदायक रहेगा तथा अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके शत्रु आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आप की आय स्त्रोतों में भी उन्नति होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल रहेंगे। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य की भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके विलम्बित कार्य भी इस मास में पूर्ण हो सकेंगे। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा सांसारिक कार्य भी समय पर सम्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथा योग्य सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आप कोई ऐसा कार्य करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त इस मास में अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार क्षति होने की संभावना है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

# द्वादश मास

## 14/04/2027 18:38:13 से 15/05/2027 15:32:36 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कन्या | चित्रा | 29:14:07 |
| सूर्य | | मेष | अश्विनी | 00:07:46 |
| चन्द्र | | कर्क | पुष्य | 07:54:03 |
| मंगल | | कर्क | आश्लेषा | 27:39:38 |
| बुध | | मीन | उ०भाद्रपद | 15:30:18 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 22:45:27 |
| शुक्र | | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 28:57:21 |
| शनि | | मीन | रेवती | 24:17:14 |
| राहु | | मकर | धनिष्ठा | 23:57:59 |
| केतु | | कर्क | आश्लेषा | 23:57:59 |
| मुंथा | | वृष | रोहिणी | 12:42:35 |

**मासाधिपति : चन्द्र**

**मासाधिपति**

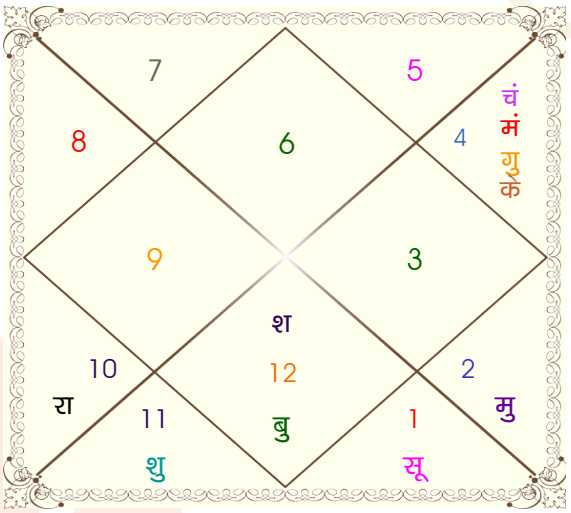


यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।


**No**

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com